भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-562
बुधवार, 26 जून, 2019/5 आषाढ़, 1941 (शक)

औपचारिक क्षेत्र रोजगार की संख्या में गिरावट

562. डा॰ सांतनु सेनः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान औपचारिक क्षेत्र रोजगार की संख्या में गिरावट आई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) वर्ष 2017-18 और वर्ष 2018-19 के लिए देश की रोजगार दर का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने देश में रोजगार दर के गणना मानदंड में बदलाव किए हैं; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) से (ग): राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्यन मंत्रालय द्वारा 2017-18 के दौरान आयोजित किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के परिणामों के अनुसार, देश में सभी आयु के व्यक्तियों (जिसमें औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों क्षेत्र शामिल हैं) हेतु सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति + सहायक स्थिति) आधार पर अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) तथा कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) नीचे दिया गया हैः

वर्ष	2017-18* (पीएलएफएस)	2011-12 (एनएसएस 68वां दौर)
श्रम बल भागीदारी दर	36.9	39.5
कामगार जनसंख्या अनुपात	34.7	38.6

(टिप्पणीः *अपनाई गई विभिन्न कार्य-पद्धति के कारण उपर्युक्त दो सर्वेक्षणों के परिणाम तुलनीय नहीं हैं)

(घ) एवं (ङ): सरकार ने देश में रोजगार के दर हेतु मानदंड में परिवर्तन नहीं किया है।

*****